BZYET-143

सत्रीय कार्य पुस्तिका

स्नातक उपाधि कार्यक्रम

(बी.एससी.जी.)

कीट वेक्टर और वेक्टर जनित रोग

1 जनवरी, 2024 से 31 दिसम्बर, 2024 तक वैध

विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदानगढ़ी, नई दिल्ली – 110 068

(2024)

प्रिय विद्यार्थी,

आपके नामांकन के बाद हमने आपको स्नातक उपाधि कार्यक्रम की कार्यक्रम दर्शिका भेजी थी। उसमें सत्रीय कार्य से संबंधित जो भाग है, उसे कृपया पढ़ लें। जैसा कि आप जानते हैं, सतत मूल्यांकन के लिए 30% अंक निर्धारित किये गये हैं। इसके लिए आपको इस पाठ्यक्रम का **एक सत्रीय कार्य** हल करना होगा। यह सत्रीय कार्य इस पुस्तिका में शामिल है और इसमें दो भाग हैं, भाग क और भाग ख। दोनों भागों के कुल अंक 100 हैं। सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण होने के लिए आपको 35% अंक चाहिए।

सत्रीय कार्य से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य के प्रश्नों के उत्तर लिखने से पहले, निम्नलिखित निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी TMA उत्तर पुस्तिका के पहले पृष्ठ पर सबसे ऊपर निम्नलिखित प्रारूप के अनुसार विवरण लिखें।

नामांकन संख्या : ……………………………..

नाम : ……………………………..

पता : ……………………………..

……………………………..

……………………………..

पाठ्यक्रम कोड : ………………………………

पाठ्यक्रम शीर्षक : ………………………………

सत्रीय कार्य कोड : ………………………………

अध्ययन केंद्र : ……………………………… दिनांक : ………………………

कार्य के सही और शीघ्र मूल्यांकन के लिए दिये गए प्रारूप का सही अनुसरण करें।

2) अपने उत्तर लिखने के लिए फुलस्कैप काग़ज़ का इस्तेमाल करें, जो बहुत पतला न हो।

3) प्रत्येक कागज़ पर बायें, ऊपर और नीचे 4 cm जगह छोड़ें।

4) आपके उत्तर सटीक और अपने शब्दों में होने चाहिए।

5) इस सत्रीय कार्य के भाग क और भाग ख हल करें, और **भाग क और भाग ख सहित संपूर्ण सत्रीय कार्य को वैध तिथि के भीतर अपने अध्ययन केंद्र में जमा कर दें।**

6) आपको अपनी सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका दिए गए समय के भीतर जमा करनी है। **वैध तिथि के बाद** सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिका नहीं ली जायेगी।

हमारा सुझाव है कि आप अपने सत्रीय कार्य की एक प्रति अपने पास सुरक्षित रखें।

7) यह सत्रीय कार्य **01 जनवरी, 2024 से 31 दिसम्बर, 2024 तक वैध** है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में उत्तीर्ण नहीं हो पाते या इसे 31 दिसम्बर, 2024 से पहले जमा नहीं कर पाते तो फिर आपको **2025** का सत्रीय कार्य करना होगा और कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार इसे जमा करना होगा।

8) यदि आप इस सत्रीय कार्य को जमा नहीं करेंगे तो **आप इस पाठ्यक्रम का सत्रांत परीक्षा फार्म जमा नहीं कर सकेंगे।**

हमारी शुभकामानाएं आपके साथ हैं।

सत्रीय कार्य
कीट वेक्टर और वेक्टर जनित रोग

पाठ्यक्रम कोड : BZYET-143
सत्रीय कार्य कोड : BZYET-143/TMA/2024
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्न कीजिए। हर प्रश्न के आगे अंक दिए गए हैं।

1. i) निम्नलिखित क़िस्मों के कायांतरणों में से प्रत्येक के कीटों के दो उदाहरण दीजिए : (6)

   क) सिल्वर फ़िश ....

   ख) टिड्डा ....

   ग) तितली ....

   ii) निम्नलिखित कीटों की विभिन्न परिवर्धनात्मक अवस्थाएँ लिखिए : (4)

   क) सिल्वर फ़िश ....

   ख) टिड्डा ....

2. क) निम्नलिखित के बीच अंतर लिखिए : (5)

   i) प्रवर्धी संचरण और चक्रवर्धी संचरण

   ii) चक्र-विकासमूलक संचरण और लंबवत् ऊर्ध्वाधर संचरण

   ख) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए : (5)

   i) डिप्टेरा के लघुकृत पिछले पंखो का नाम बतायें और उनके कार्यों को लिखें।

   ii) रक्त चूसने के लिए मच्छर अपने परपोषी का पता कैसे लगाते हैं?

3. क) एक हेमीमेटाबोलस ऑर्डर का नाम बताइए जो विशेष रूप से परजीवी है। संक्षेप में इसकी आकारिकीय विशेषताओं की व्याख्या कीजिए। (5)

   ख) ऑर्डर साइफनाप्टेरा की महत्त्वपूर्ण विशेषताओं को लिखें जो उन्हें महत्त्वपूर्ण रोग वेक्टर बनाते हैं। (5)

4. निम्नलिखित पर लघु टिप्पणी कीजिए : (10)

   i) पिस्सुओं की रोकथाम और नियंत्रण के उपाय

   ii) टाइफस ज्वर

   iii) *टुंगा पेनीट्रेन्स*

   iv) *मेर्सीनिया पेस्टिस* संचरण

5. क) निम्नलिखित के बीच अंतर कीजिए : (5)

i) *पेडीकुलस ह्यूमेनस केर्पोरिस* और *पेडीकुलस ह्यूमेनस कैपीटिस*

ii) नर और मादा देह जूंएं

ख) चगास रोग के संचरण में एक जैविक संवाहक (वेक्टर) के रूप में रेडुविड बग की भूमिका की व्याख्या करें। (5)

6. क) मलेरिया परजीवी की महामारी विज्ञान की व्याख्या करें। (5)

ख) *ऐनोफ़ेलीज़* मच्छर से बचाव और नियंत्रण के उपायों की चर्चा कीजिए। (5)

7. निम्नलिखित का नामांकित चित्र बनाइए : (10)

क) JE का जीवन चक्र

ख) फाइलेरिया कृमि संचरण चक्र

8. निम्नलिखित में अंतर लिखिए :

क) बाहरी ऊष्मायन अवधि और आंतरिक ऊष्मायन अवधि

ख) अनुप्रस्थ और ऊर्ध्वाधर संचरण

ग) शहरी चक्र और सिल्वेटिक चक्र

9. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : (10)

क) घरेलू मक्खियों के नियंत्रण में प्रयुक्त ट्रैप (पाश)

ख) *मस्का* का सस्य नियंत्रण

ग) घरेलू मक्खी का रासायनिक नियंत्रण

घ) माएसिस

10. क) एकीकृत वेक्टर प्रबंधन की अवधारणा का वर्णन कीजिए। (5)

ख) रोग वेक्टर समष्टि को कम करने हेतु आनुवंशिक परिवर्तन कैसे किये जा सकते हैं? (5)